डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

अमृत वचन

जिसके पास स्वास्थ्य है, उसके पास आशा है तथा जिसके पास आशा है, उसके पास सब कुछ है।

-अरबी कहावत

साप्ताहिक

मंथन दृष्टि

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

क्रिश्चियन पैदा हुई थी, हिंदू रीति रिवाज से की शादी नयनतारा ने प्यार के लिए.... पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 45 भोपालः बुधवार, 21 नवम्बर से 27 नवम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

महाराष्ट्र/झारखण्ड विधानसभा चुनाव परिणाम

हेमंत सोरेन ने आदिवासी अस्मिता से जुड़कर, इस बात को घर-घर तक पहुंचाने की कोशिश की कि गरीबों के नेता हेमंत सोरेन को बीजेपी ने साजिश तहत जेल में डाला

महाराष्ट्र में महायुति की शानदार जीत, महायुति की एक बार फिर राज्य में सरकार बनेगी, झारखंड में एक बार फिर हेमंत सोरेन की अगुवाई में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार

छह महीने के अंदर राहुल गांधी के सारे दांव महाराष्ट्र में फेल हो गए, वह यह भी दलील देते रहे कि जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी

● मंथन संवाददाता

मुंबई/रांची/नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन, कांग्रेस और शिवसेना और एनसीपी के अलग हुए गुट वाले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के साथ मुकाबले में है। महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को एक ही फेज में वोटिंग हुई और इसमें करीब 66.05 फीसदी मतदान हुआ। मुंबई शहर में सबसे कम 52.65 फीसदी वोटिंग हुई थी और गढ़चिरौली में सबसे ज्यादा मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी 149 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, शिवसेना 81 सीटों पर और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी ने 59 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस ने 101, शिवसेना (यूबीटी) ने 95 और एनसीपी (एसपी) ने 86 उम्मीदवार चुनावी दंगल में उतारे हैं।

महाराष्ट्र में क्यों फेल हो गए राहुल के सारे दांव

राहुल गांधी और उनकी टीम का वह नैरेटिव काम नहीं आया, जिसके बूते छह महीने पहले लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ने 48 में से 30 सीटें जीत ली थीं। यानी छह महीने के अंदर राहुल गांधी के सारे दांव महाराष्ट्र में फेल हो गए। दरअसल, राहुल गांधी अपनी सभी चुनावी सभाओं में संविधान का हवाला देते रहे हैं। वह आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से आगे बढ़ाने की भी बात करते रहे और जातिगत जनगणना की भी वकालत करते दिखे। वह यह भी दलील देते रहे कि जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी होनी चाहिए, इसलिए जाति जनगणना करवाकर आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी की सीमा से आगे किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम 2024

सीटे	: 288,	**बहुमत**	: 145
महायुति	: 230,	महाविकास अघाड़ी	: 46
भाजपा	: 133,	कांग्रेस	: 16
शिवसेना(शिंदे)	: 57,	शिवसेना (यूबीटी)	: 20
एनसीपी(अजित)	: 41,	एनसीपी(शरद)	: 10

झारखंड विधानसभा चुनाव परिणाम 2024

सीटे	: 81,	**बहुमत**	: 81
झमुमो	: 56+,	भाजपा	: 24
अन्य	: 01		

क्या यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव था- प्रियंका चतुर्वेदी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों की मतगणना पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि परिणाम आश्चर्यजनक रूप से आए हैं। जिस तरह से लोकसभा में हमारी 151 सीटों की बढ़त विधानसभा चुनावों में कम हो गई, एक सवाल उठता है कि इतना अंतर कैसे आया? सभी सर्वेक्षणों ने एक करीबी मुकाबला दिखाया या महा विकास अघाड़ी को बढ़त दी गई। मैं महाराष्ट्र में कई जगहों पर गई जहां लोगों ने मुझसे कहा कि वे हमें वोट देंगे लेकिन हमें ईवीएम पर ध्यान देना चाहिए।

सीएम फेस को लेकर महायुति में स्पष्टता नहीं

महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाने की तैयारी कर रही है, ऐसे में मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने गठबंधन को मजबूत जनादेश देने के लिए राज्य के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। अपने डिप्टी, देवेंद्र फडणवीस के बारे में चल रही अटकलों को संबोधित करते हुए, शिंदे ने स्पष्ट किया, 'मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।'

एक साथ बैठकर तय करेंगे कि सीएम कौन होगा- एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि अंतिम परिणाम आने दें। फिर, जिस तरह से हमने एक साथ चुनाव लड़ा था, उसी तरह सभी तीन पार्टियां एक साथ बैठेंगी और निर्णय लेंगी कि सीएम कौन होगा।

शरद पवार के जीवन की सबसे बुरी हार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शरद पवार को उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बुरी हार होती हुई नजर आ रही है। चुनाव के रुझानों में उनकी पार्टी केवल 15 सीटों पर आगे है, जबकि उन्होंने 86 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। -शेष पृष्ठ 2 पर

रामदास अठावले ने लोगों का धन्यवाद दिया

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि लोगों ने महायुति के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान किया है। उन्होंने महाराष्ट्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीत का कारण पीएम मोदी की विकास संबंधी भूमिका और पिछले 2.5 सालों में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले हैं। उन्होंने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि हम 225-230 सीटें जीत सकते हैं।'

महायुति ने एक टीम की तरह लड़ाई लड़ी- एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं महायुति के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी, अमित शाह भाई, नड्डा सभी ने हमारा समर्थन किया। उन्होंने महाराष्ट्र को प्राथमिकता दी। मुझे गर्व है कि मैंने जो कहा था कि हम 200 सीटें जीतेंगे, वह सही साबित हुआ है। हमने (महायुति) एक टीम की तरह लड़ाई लड़ी।

लोगों ने विकास की राजनीति पर वोट दिया- प्रकाश जावड़ेकर

भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि यह अपेक्षित था। महाराष्ट्र के लोगों ने देश के बाकी हिस्सों की तरह पीएम मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने विकास की राजनीति के लिए वोट दिया। लोगों ने 5 साल के भीतर दो सरकारें देखीं। 'काली' सरकार के 2.5 साल में कोई विकास कार्य नहीं हुआ और सभी काम बंद हो गए। इन 2.5 सालों में सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी राजनीति की गई और विकास कार्य किए गए, बुनियादी ढांचे का विकास किया गया। इसलिए लोगों ने हमें वोट दिया।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 — पर्दाफास — भोपाल में पकड़ा गया गिरोह... दूसरों के आधार कार्ड से...
पृष्ठ 3 — धर्म और आध्यात्म — अंजनी सुत जैसा सौभाग्यवान कोई नहीं
पृष्ठ 4 — किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन — उन्नत जानकारी प्राप्त कर किसान अमर सिंह रैकवार...
पृष्ठ 5 — कृषि मंथन — परंपरागत खेती का विकल्प बनी औषधीय फसलों की खेती...
पृष्ठ 6 — देश-विदेश — आजादी के बाद का सबसे कठिन उपचुनाव, वोटिंग से ठीक पहले...
पृष्ठ 7 — अनोखी खबरें — विश्व की सबसे पुरानी दीवार चीन में नहीं बिहार के...
पृष्ठ 8 — ख़ास साप्ताहिक फोटो — हाट कालिका महाशक्ति पीठ, यहां पर मां काली...

ज्यादा चतुर बनने के चक्कर में क्या बीजेपी के जाल में फंस गए अरविंद केजरीवाल?

केजरीवाल के हाल में लिए कई फैसले बड़े-बड़े दिग्गजों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि अब ये क्या कर दिया? केजरीवाल एक बार फिर से विपक्षी पार्टियों को दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में पानी पिलाने का प्लान तैयार कर रहे हैं। लेकिन, इस प्लान में उनके करीबी ही उनका खेल बिगाड़ते प्रतीत हो रहे हैं। एक के बाद एक करीबी केजरीवाल का साथ छोड़ रहे हैं। केजरीवाल बेशक अपने फैसलों के जरिये राजनीति का चतुर-चालाक खिलाड़ी बनना चाह रहे हैं। लेकिन, शायद वह भूल जाते हैं कि दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में उनके सामने बीजेपी के रूप में एक ऐसा खिलाड़ी और टीम है, जिसके पास हर परिस्थिति के लिए अलग योजना और रणनीति पहले से ही तैयार हो जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल अपने फैसले की वजह से चतुर और चालाक साबित होंगे या फिर बीजेपी के जाल में फंस जाएंगे? पहला, दिल्ली सरकार पुराने शराब कानून की जगह नई शराब नीति क्यों लेकर आई? अगर लाई तो फिर वापस क्यों ले लिया? दूसरा, जब केजरीवाल सीएम रहते जेल में छह महीने रह सकते हैं तो जेल से बाहर आने के बाद सीएम पद से इस्तीफा क्यों दिया? तीसरा, जब मंत्रिमंडल में कैलाश गहलोत नंबर-2 थे, तो फिर आतिशी को दिल्ली का सीएम क्यों बनाया? चौथा, बीते लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस के साथ गठबंधन था तो विधानसभा में गठबंधन के साथ लड़ने से परहेज क्यों? और आखिर में पांचवां, राजकुमार आनंद और कैलाश गहलोत ने 'शीशमहल' और भ्रष्टाचार का मुद्दा क्यों बनाया?

ईरान की छात्रा के सार्वजनिक रूप से कपड़े उतारने के कृत्य के खिलाफ कोई आरोप नहीं

ईरान की अदालत ने 19 नवंबर को इस मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा कि तेहरान की यूनिवर्सिटी में अंडरवियर में घूमने वाली छात्रा के खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। कोर्ट ने अपने इस फैसले के पीछे यह वजह बताई कि छात्रा अहौ दारयाई ने बीमारी की हालत में ऐसा किया था, इसलिए उस पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। न्यायपालिका के प्रवक्ता असगर जहांगीर ने कहा, 'छात्रा को अस्पताल भेजा गया था और चिकित्सकों ने उसके बीमार होने की पुष्टि की थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए छात्रा को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।' अदालत के सामने रिपोर्ट्स पेश की गई जिसके अनुसार छात्रा पारिवारिक समस्याओं के चलते मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं थी।

क्या था पूरा मामला?: इसी नवंबर महीने की शुरुआत में वायरल वीडियो में छात्रा को तेहरान की इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी में केवल अंडरगार्मेंट्स में घूमते देखा गया था। दरअसल छात्रा अहौ दारयाई ने यूनिवर्सिटी कैंपस में इस्लामिक कपड़ों का विरोध किया था। इसके बाद यूनिवर्सिटी की सिक्योरिटी ने छात्रा को हिंसक रूप से रोका। जिसका विरोध करते हुए छात्रा ने कैंपस में हीं अपने सारे कपड़े उतार दिए थे और कैंपस में घूमकर विरोध प्रदर्शन करने लगी थी। इसके बाद छात्रा को हिरासत में ले लिया गया। वीडियो के सामने आने के बाद एमनेस्टी इंटरनेशनल ने ईरान के अधिकारियों से छात्रा को तुरंत रिहा करने की अपील की।

पाक सेना को आतंकी ऑपरेशन में लगा बड़ा झटका, खैबर पख्तूनख्वा में 8 सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। न्यूज आउटलेट खोरासान डायरी के सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन खैबर जिले की तिराह मैदान घाटी में एक हाई वैल्यू टार्गेट के खिलाफ चलाया गया था। ऑपरेशन में छह आतंकी और सात पाकिस्तानी सेना के सैनिक भी घायल हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ स्थानीय लोग भी घायल हुए हैं। हालांकि वॉइस ऑफ अमेरिका ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जब सैनिक एक ऑपरेशन से बेस की ओर लौट रहे थे, तभी आतंकियों ने उनके ऊपर हमला कर दिया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने अभी इस पर कोई बयान नहीं दिया है। इस घटना से अलग 18 नवम्बर की शाम आतंकियों ने बन्नू जिले की एक पोस्ट पर हमला किया। रिपोर्ट के मुताबिक सात पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया गया। क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों का पता लगाने और अपहृत कर्मियों को बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

✓ हमारा ''मंथन दृष्टि'' साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए निःशुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।